B.L.D.E. Association's

S. B. Arts & K.C.P. Science College,
VIJAYAPUR- 586 103.

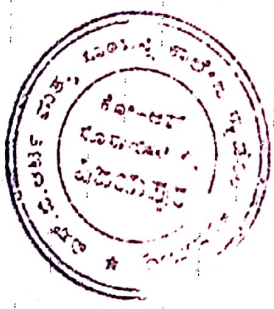

ASSIGNMENT

For ~~B.A./~~ B.Sc. ..... IInd ..... Semester

2017 - 2018

Name of the Student Avinash .S. Pawlekar

Roll No. 150 R.C.U. Seat No. S1622244

Subject हिंदी

Assignment No.	Date	Marks Assigned	Marks Obtained	Name and Signature of Teacher	Remarks
1	3/4/18	03	03	B.V. Patil	
2					
3					
4					

Scanned by CamScanner

*1) हींदी की वर्तमान दशा इस कवीता का साराशं अपने शब्दो मे लीखीए ?

यह कवीता मैथली शरण गुप्त द्वारा लिखीत है इस कवीता मे राष्ट्र प्रेम को अवगत कराने का कार्य किया गया है आज कल अंग्रेजी का बोला - बाला रहा है। हींदी हमारी देश कि राष्ट्र भाषा होने के बावजुद भी पुरे देश मे अंग्रेजी का ही आरोंभार चल रहा है।

हींदी की वर्तमान स्थीती को दर्शाने का और छात्रो मे हींदि के प्रती आस्था रुची नीर्माण करने हेतु इस कवीता का चयन कीया गया है।

(*) -: सारांश :- (भावार्थ) (भावार्थ)

(1) कवी मातृभाषा से कहते है तेरी आजकल बनी हुई दशा को देखकर मै नीराशा हो जाता है यह नीराशा कभी भी मेरे मन से दुर नही होती है। बडी कष्ट की बात यह है की स्वातंत्र प्राप्त होने के बाद इतने साल बीत गये कींतु तु अभी भी दीन और हीन बन रही है।

Ex :- सोना, चाँदी शिक्षक, वकील हाथी, घोड़ा, घर, स्कूल।

(3) भाव वाचक संज्ञा :-
जिस संज्ञा पद से किसी वस्तु या व्यक्ति या अवस्था का बोध हो उसे भाव वाचक संज्ञा कहते है।

Ex :- प्रेम, बचपन, गहराई, ऊंचाई

(4) समूह वाचक संज्ञा :-
जिस संज्ञा द्वारा किसी या वस्तु के समूह का बोध हो उसे समूह वाचक संज्ञा कहते है

Ex :- सेना, कक्षा, समाज, दल

(5) द्रव्य वाचक संज्ञा :-
जिस संज्ञा द्वारा माप - तौल वाली वस्तु का बोध होता है उसे द्रव्य वाचक संज्ञा कहते है
कहते

Ex :- तेल, पानी, पेट्रोल

9/10

→ लिखावट को सुधारें।
→ व्याकरणिक अशुद्धियों को सुधारें।
→ अनुस्वारों के प्रयोग पर ध्यान दें।

Scanned by CamScanner